

استخدمت في هذا البحث ١٠٠٠ صورة فوتوغرافية مأخوذة من ١٠٠٠ شخص، ٥٠٠ من الرجال و٥٠٠ من النساء، تتراوح أعمارهم بين ١٨ و٦٥ سنة، من مختلف الطبقات الاجتماعية، وجميعهم من سكان مدينة القاهرة.

الحس الأمني

« بنا آتينا في الدنيا حسنة وفي الآخرة

ان ثعلبة بن عبد الرحمن رضى الله عنه، يخذ

فَقَالَ لَعَلَّكَ تَمِيدُ الْهَارِبَ مِنْ جَهَنَّمَ؟ فَقَالَ عَمْرٌو:

قال هو ذا يا رسول الله فقام الرسول -صلى الله عليه وسلم- فحركه وانتبه فقال له: ما غيبك عني يا ثعلبة؟ قال ذنبى يا رسول الله قال أفلا أدلك على آية تنحو الذنوب والخطايا؟ قال بلى يا رسول الله قال قرب ريشا تشافى الدنيا حسنة وفي الآخرة حسنة وقنا عذاب النار قال ذنبى أعظم، في الرسول -صلى الله عليه وسلم- بل كلام الله أعظم، ثم أمره بالانصراف

جبريل عليه السلام فقال: يا محمد ان ربك يفرح
بالسلام ويقول لك، لو ان عبيدي هذا لقيني بقراب
الارض خطايا لقيتهم بقرابها مغفرة، قال عليه النبي
بذلك الاضاح صحبة بعدها مات على اثرها قاهر اليأس
وبغسله وتغسله، فحصل صلى الله عليه وسلم عليه الصلاة
والسلام جعل يمشي على اطراف اُتاهله، فلما انتهى
الدفن قيل لرسول الله -صلى الله عليه وسلم- يا
رسول الله اريتناك تمشي على اطراف اُتاهك قال
رسول الله -صلى الله عليه وسلم- والذي بعثني
بالنبي

إلى منزله فصر من ثعلبية ثمانية أيام ثم أن سلمان أتى رسول الله فقال يا رسول الله هل لك في ثعلبية فأنه ما به قدهلك؟ فقال رسول الله فقوموا بنا إليه ودخل عليه الرسول - صلى الله عليه وسلم - فوضع رأسه على حجره لئلا يصرع ثم أزال ثعلبية من رأسه من على حجر النبي فقال له لم أزلت أراك عن حجر؟ فقال لأنه ملأ بالذئوب، قال رسول الله ما تشكركم فقال: مثل كريب الممل بين عظمي ولحي وجندي، قال رسول الله ما تشكركم فقال مغفرة رب: فغفر له.

جبريل عليه السلام فقال: يا محمد ان ربك بقرنك
الاسم ويقول لك: لو ان عبدى هذا لقضى بقراب
الارض خطايا لكته بقرابها مغفرة، فاعلمه النبي
بذلك فصاح صيحة بعد ما مات على الزهراء قائم الصلاة
وبغسله وكفنه، فلما صلى عليه الرسول عليه الصلاة
والسلام جعل يمشي على اطراف اناضله، فلما انتهى
الدفن قيل لرسول الله -صلى الله عليه وسلم-:
رسول الله ارياك تمشي على اطراف اناضله قال
الرسول -صلى الله عليه وسلم-: والذي يعطيني

1. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841.

ولكن لا تترك البنية لمن يفتخرون الكتاب خلقاً ويعلمون به على خديعة الناس. قال رسول الله صلى الله عليه وسلم: «يطلع المؤمن على الخلال كلها، إلا الحياة والكتب». وسئل رسول الله صلى الله عليه وسلم: «كيف المؤمن حيناً؟» قال: «نعم! قيل: لا يكون المؤمن بخيلاً؟» قال: «نعم! قيل: لا يكون المؤمن كتاباً؟» قال: «لا».

وفي رواية عنها: «ما كان من خلق أبغض إلي رسول الله صلى الله عليه وسلم من الكذب، ولقد كان الرجل يكذب عنده الكذبة».

0.0000

والأشعري في قوله: «فُتِرَ من قسورة» قال: هم الرعاة رجال القنص.

فَأَقْبَلَتِ امْرَأَتُهُ خِصْفًا مِّنْهُ فَصَعِدَتْ عَلَيْهِ فَأُصْغِرَ - فَفُصِّصَتْ وَأُتِيَتْ بِهَا

Side 1 Side 2 Side 3 Side 4 Side 5

وأخرج القريابي وعبد بن حميد وابن جرير